जगतपुर गाँव के गेदहरा

यू जगतपुर गाँव आय .पहिले गाँव मा ठौर ठौर चहंटा औ गंदगी रहय .गेदहरा खेला चाहत रहें मुला कहाँ खेलती ?

कोई जगह नहीं रहय .इस्कूल जाय के रस्ता मा चहला औ पानी भरा रहय .एक दिन सब गेदहरा मैदान मा एकट्ठा भये .उई सब सोंचिन या गंदगी दूर हुई जाय तौ केतना नीक हुई जाय

लोकेश कहिस ,"हम परी से कहबै कि रात माँ आय कै जादू की छड़ी से हमरे गाँव का साफ़ औ सुंदर बनाय जाय "

यू सुनि कै सब गेदहरा हंसय लाग.

सरिता बोली "कहूँ परिव सफाई करती हैं ,हमहिन सबका कुछ करय का परी " सब मिलिकै पिलान बनायिन .

दुसरे दिन पछिलहरा सब गेदहरा गाँव मा प्रभात फेरी निकारिन ,

उनके हाथे मा तख्ती औ कुदार रहीं

सब नारा लगावत रहे

हमार गाँव कस होय

साफ़ सुथरा सुंदर होय

हरा भरा इस्कूल होय

घर घर माँ शौचालय होय

नाली नरदहा साफ़ राखव

गल्ली कोलिया साफ़ राखव

ईके बाद गेदहरा इस्कूल के रस्ता पर अटे ,उइ फरुहन से चहंटा हटावय लाग ,छोट छोट कुदार से नाली बनाय दिहिन .रुका भवा पानी नाली मा चला गवा .

तब तक गाँव के बहुत जने आय गये . गेदहरन के साथे उनहूँ सफाई मा जुटि गे .
सब खेल कै जगह साफ़ सुथरा कै दिहिन .गढ़हा मा माटी पाट दिहिन .
परधान दादा कहिन “तुम सब हमका रस्ता देखाय दिहेव ,हम सब मिल कै गाँव का साफ़ सुथरा बनायिब ,बिरवा लगायिब .अब तुम सब मन लगाय कै पढव ,खूब आगे बढ़व,यहै हमार आसिरवाद है .

यह-यू **बच्चे** –गेदहरा
सोंचा –सोंचिन **कीचड़** – चहंटा
अच्छा –नीक **योजना** –पिलान
सबेरे –पछिलहरा **कुदाल** –कुदार
कैसा –कस **स्कूल** –इस्कूल
नाली –नरदहा **रास्ता** –कोलिया
इसके –ईके **पंहुचे** –अटे
पेड़ –बिरवा **बनायेंगे** –बनाउब

अभ्यास

- जगत गाँव के गेदहरा काहे परेसान रहे ?
- गेदहरा गाँव की सफाई की खत्तिर का सोंचिन ?
- उई सब कौन नारा लगावत रहे

- अगर तुम्हार गाँव गंदा होय तौ तुम का करिहौ ?
- अपने स्कूल औ गाँव का साफ़ सुथरा करै की खत्तिर तुम का करिहौ